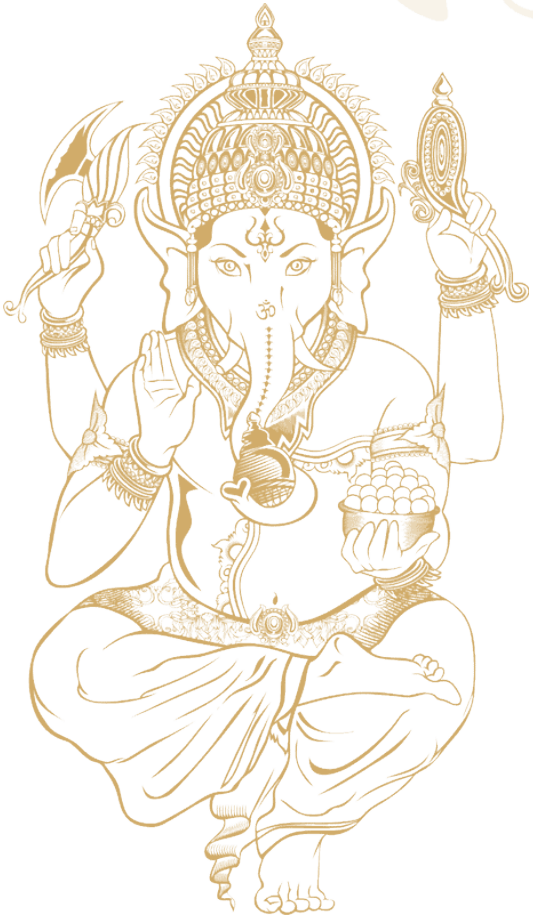

Ankul

30 Aug 1991

10:50 AM

Kaithal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121113903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/08/1991**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:50:00 घंटे**
इष्ट	12:05:40 घटी
स्थान	**Kaithal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:47:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:25:56 घंटे
वेलान्तर	-00:00:49 घंटे
साम्पातिक काल	08:57:33 घंटे
सूर्योदय	05:59:44 घंटे
सूर्यास्त	18:49:27 घंटे
दिनमान	12:49:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:36:41 सिंह
लग्न के अंश	14:38:06 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:38:06	307:05:32	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			सिंह	12:36:41	00:57:59	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	10:20:39	13:24:15	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	04:56:07	00:38:30	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध	व		कर्क	29:26:15	00:11:15	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	03:27:03	00:13:02	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	01:08:58	00:31:21	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	07:27:44	00:03:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	स्वराशि
राहु	व		धनु	23:58:05	00:04:49	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	23:58:05	00:04:49	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:15:29	00:00:59	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		धनु	20:26:12	00:00:50	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	24:06:42	00:01:05	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	18:11:08	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:43

लग्न-चलित

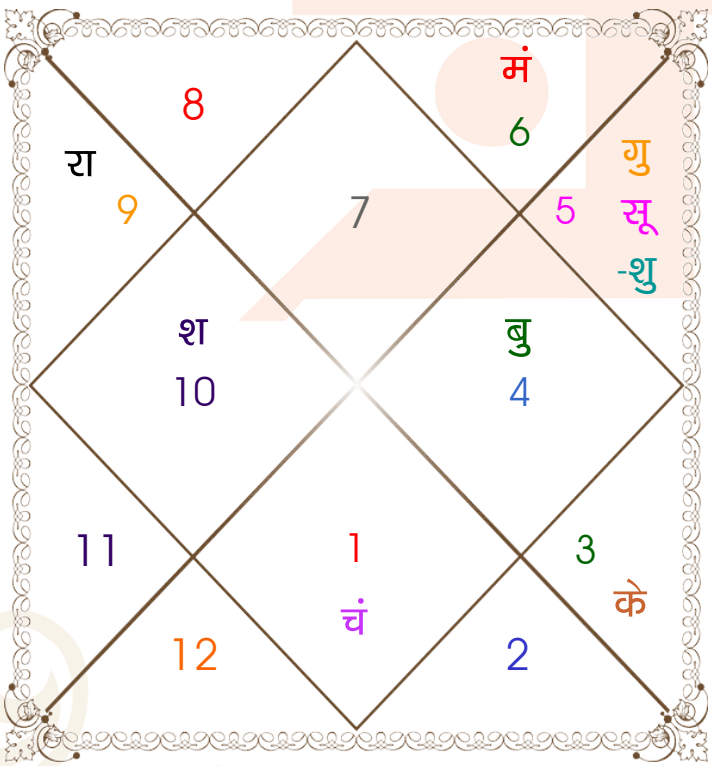

चन्द्र कुंडली

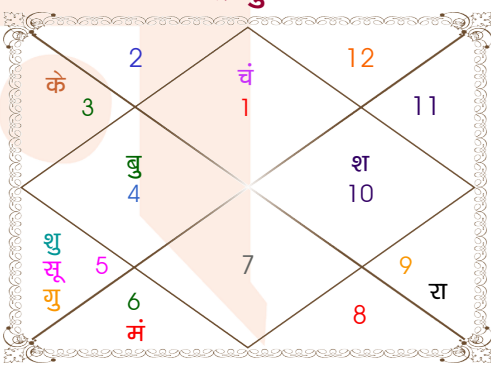

नवमांश कुंडली

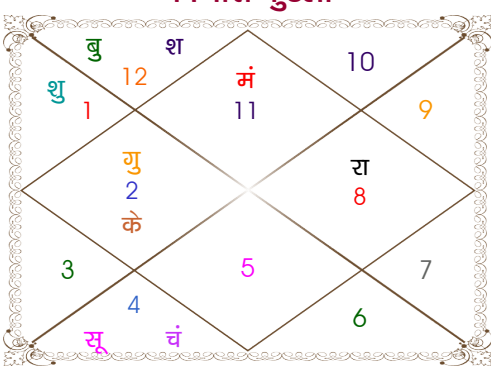

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 6 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/08/1991		25/03/1993		25/03/2013		26/03/2019		25/03/2029	
25/03/1993		25/03/2013		26/03/2019		25/03/2029		25/03/2036	
	00/00/0000	शुक्र	25/07/1996	सूर्य	13/07/2013	चंद्र	24/01/2020	मंगल	21/08/2029
	00/00/0000	सूर्य	25/07/1997	चंद्र	11/01/2014	मंगल	24/08/2020	राहु	09/09/2030
	00/00/0000	चंद्र	26/03/1999	मंगल	19/05/2014	राहु	23/02/2022	गुरु	16/08/2031
	00/00/0000	मंगल	25/05/2000	राहु	13/04/2015	गुरु	25/06/2023	शनि	24/09/2032
	00/00/0000	राहु	26/05/2003	गुरु	30/01/2016	शनि	23/01/2025	बुध	21/09/2033
	00/00/0000	गुरु	24/01/2006	शनि	11/01/2017	बुध	25/06/2026	केतु	17/02/2034
	30/08/1991	शनि	25/03/2009	बुध	18/11/2017	केतु	24/01/2027	शुक्र	19/04/2035
शनि	28/03/1992	बुध	24/01/2012	केतु	25/03/2018	शुक्र	24/09/2028	सूर्य	25/08/2035
बुध	25/03/1993	केतु	25/03/2013	शुक्र	26/03/2019	सूर्य	25/03/2029	चंद्र	25/03/2036

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/03/2036		25/03/2054		25/03/2070		25/03/2089		26/03/2106	
25/03/2054		25/03/2070		25/03/2089		26/03/2106		00/00/0000	
राहु	06/12/2038	गुरु	13/05/2056	शनि	28/03/2073	बुध	22/08/2091	केतु	23/08/2106
गुरु	01/05/2041	शनि	24/11/2058	बुध	06/12/2075	केतु	18/08/2092	शुक्र	23/10/2107
शनि	07/03/2044	बुध	01/03/2061	केतु	14/01/2077	शुक्र	19/06/2095	सूर्य	28/02/2108
बुध	24/09/2046	केतु	05/02/2062	शुक्र	16/03/2080	सूर्य	24/04/2096	चंद्र	28/09/2108
केतु	13/10/2047	शुक्र	06/10/2064	सूर्य	26/02/2081	चंद्र	24/09/2097	मंगल	24/02/2109
शुक्र	12/10/2050	सूर्य	25/07/2065	चंद्र	27/09/2082	मंगल	21/09/2098	राहु	14/03/2110
सूर्य	06/09/2051	चंद्र	24/11/2066	मंगल	06/11/2083	राहु	10/04/2101	गुरु	18/02/2111
चंद्र	07/03/2053	मंगल	31/10/2067	राहु	12/09/2086	गुरु	17/07/2103	शनि	31/08/2111
मंगल	25/03/2054	राहु	25/03/2070	गुरु	25/03/2089	शनि	26/03/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 6 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।